No. of Printed Pages : 6 **BECE–214**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

June, 2025

Elective Course : Economics

BECE-214 : AGRICULTURAL DEVELOPMENT IN INDIA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer the questions as per the instructions given for each Section.*

(i) ***Section-A :*** *Answer any* ***two*** *questions.*

(ii) ***Section-B :*** *Answer any* ***four*** *questions.*

(iii) ***Section-C :*** *Write short notes on any* ***two*** *in* ***100*** *to* ***150*** *words each.*

Section—A

1. (a) Explain capital formation in agriculture and its implication for growth. 10

(b) What are the key features of the Model Agricultural Marketing Act, 2003 ? 10

2. (a) Define contract farming. What are the conditions for its success ? 10

(b) What is market integration ? Explain the policy initiatives needed to move closer to complete market integration. 10

3. "Apart from technological know-how, ensuring institutional credit is a challenge." Examine. 20

4. (a) Explain how Food Supply Chain operates. 10

(b) Distinguish between Cooperatives and Non-cooperatives. 10

Section—B

5. Mention important factors which affect the private investment in agriculture. 12

6. Define agricultural marketing. Explain special features of agricultural market. 12

7. Explain the factors influencing performance of cooperatives. 12

8. What is institutional finance ? Explain risks associated with agricultural finance. 12

9. What benefits are expected to result by contract farming practices particularly in the present context of global market policies pursued ? 12

10. Distinguish between marketable surplus and market surplus. 12

11. Mention some ways in which capital formation in agriculture can increase the prospects for agriculture exports. 12

Section–C

12. Write short notes on any *two* of the following : 6+6=12

    (i) Agriculture credit and Agriculture growth

    (ii) Multistate Cooperative Societies (MSCS) Act

    (iii) Types of Capital and Capital formation

BECE–214

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र

बी.ई.सी.ई.-214 : भारत में कृषि विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(i) ***खण्ड-अ :*** *किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***खण्ड-ब :*** *किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(iii) ***खण्ड-स :*** *किन्हीं दो पर* ***100*** *से* ***150*** *शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।*

खण्ड—अ

1. (अ) कृषि में पूँजी निर्माण और वृद्धि पर इसके प्रभाव को परिभाषित कीजिए। 10

   (ब) प्रतिरूप कृषि विपणन अधिनियम, 2003 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ? 10

2. (अ) संविदा खेती को परिभाषित कीजिए। इसकी सफलता के लिए क्या शर्तें हैं ? 10

(ब) बाजार एकीकरण क्या है ? पूर्ण बाजार एकीकरण के समीप पहुँचने के लिए आवश्यक नीतिगत पहलों की व्याख्या कीजिए। 10

3. "तकनीकी जानकारी के अलावा संस्थागत साख सुनिश्चित करना भी एक चुनौती है।" जाँच कीजिए। 20

4. (अ) व्याख्या कीजिए कि खाद्य पूर्ति शृंखला कैसे संचालित होती है। 10

(ब) सहकारी एवं गैर-सहकारी समितियों के मध्य अन्तर कीजिए। 10

खण्ड—ब

5. कृषि में निजी निवेश को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारकों का उल्लेख कीजिए। 12

6. कृषि विपणन को परिभाषित कीजिए। कृषि बाजारों की विशिष्ट विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 12

7. सहकारी समितियों के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए। 12

8. संस्थागत वित्त क्या है ? कृषि वित्त से जुड़े जोखिमों की व्याख्या कीजिए। 12

9. वैश्विक बाजार की नीतियों के वर्तमान संदर्भ में विशिष्ट रूप से अनुबंध खेती पद्धतियों के परिणामस्वरूप लाभ होने की अपेक्षाएँ क्या हैं ? 12

10. विपणन योग्य अधिशेष एवं विपणन अधिशेष के मध्य अन्तर कीजिए। 12

11. कुछ विधियों का उल्लेख कीजिए कि कृषि में पूँजी निर्माण कृषि निर्यात के लिए संभावनाओं को बढ़ा सके। 12

खण्ड—स

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 6+6=12

(i) कृषि साख एवं कृषि वृद्धि

(ii) बहुराज्यीय सहकारी समितियाँ (MSCS) अधिनियम

(iii) पूँजी एवं पूँजी निर्माण के प्रकार

× × × × ×